

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4461

H

Unique Paper Code : 2131001001

Name of the Paper : Advance Neeti Literature in  
Sanskrit (Sanskrit A)

Name of the Course : Common Programme Group:  
AEC

Semester : II

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 60

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. कथाकाव्य के अन्तर्गत नीतिकाव्य की उपयोगिता पर एक निबन्ध लिखिए। (15)

Write an essay on the utility of Neetikavya under Kathakavya.

अथवा / OR

नीतिकाव्य की उत्पत्ति और विकास का विवेचन कीजिए।

Describe the origin and development of Neetikavya.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए: (2×7=14)

Write notes of any two of the following:

- (i) विग्रह  
(Vigraha)
- (ii) लब्धप्रणाश  
(Labdhapranash)
- (iii) कथासरित्सागर  
(Kathasaritsagar)
- (iv) चाणक्यनीति  
(Chanakyaniti)

3. निम्नलिखित में से किसी एक का अनुवाद कीजिए : (5)

Translate any one of the following :

(i) अर्थेभ्योऽतिप्रवृद्धेभ्यःआहतेभ्यइतस्ततः।  
प्रवर्तन्तेक्रियाःसर्वाःपर्वतेभ्यइवाऽऽपगाः॥

(ii) स्तिमितोन्नतसञ्चाराजनसन्तापहारिणः।  
जायन्तेविरलालोकेजलदाइवसज्जनाः॥

4. निम्नलिखित में से किन्हीं एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8)

Explain with reference to the context of any one of the following :

(i) उपयानाञ्चसर्वेषामुपायः पण्यसङ्ग्रहः ।  
धनार्थशस्यतेह्येकस्तदन्यः संशयात्मकः ॥

(ii) नस्वल्पस्यकृतेभूरिनाशयेन्मतिमान्नरः ।  
एतदेवात्रपाण्डित्यंयत्स्वल्पाद्भूरिरक्षणम् ।

5. प्रश्नसंख्या 3 एवं 4 के रेखांकित पदों में से किन्हीं-तीन पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए । (3×1=3)

Write grammatical notes on any three of the underlined words given in Question No. 3 and 4.



6. पंचतन्त्र के मित्रभेद की प्रथमकथा का सार लिखिए ।

(15)

Write the summary of the first story of Mitrabhedha of Panchtantra.

अथवा / OR

मित्रभेद की प्रथमकथा से प्राप्त शिक्षा का वर्णन कीजिए ।

Explain the lesson learned from the first story of Mitrabheda.